

मदनमल्लिका स्त्री. (तत्.) मल्लिका वृत्त का एक नाम जिसके प्रत्येक चरण में क्रम से रगण, जगण और अंत में गुरु लघु हो, समानी छंद।

मदनमस्त पुं. (तत्.) चंपा की जाति का एक प्रकार का फूल।

मदन महोत्सव पुं. (तत्.) प्राचीन भारत में चैत्र शुक्ल द्वादशी से चतुर्दशी तक मनाया जाने वाला एक उत्सव।

मदन मोदक पुं. (तत्.) 1. सवैया छंद का एक भेद 2. सुंदरी।

मदन मोहन पुं. (तत्.) श्री कृष्ण।

मदनललिता स्त्री. (तत्.) काव्य. एक समवर्णिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में क्रमशः मगन, भगन, नगण, नगण और गुरु के योग से 16 वर्ण होते हैं, यति 4-6-6 पर होती है।

मदनलेख पुं. (तद्.) वह पत्र अथवा संदेश, जो प्रेमी और प्रेमिका एक दूसरे को भेजते हैं, प्रेम-पत्र।

मदनसारिका स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की मैना, जो पर्वतीय क्षेत्रों में देखी जा सकती है, मान्यता है कि तोते की तरह यह पक्षी भी वाक्यों को रट कर बोल सकता है।

मदनहर पुं. (तत्.) एक मात्रिक छंद जिसके प्रत्येक चरण में 40 मात्राएँ होती हैं, आदि में दो लघु और अंत में एक गुरु होता है।

मदनहारी स्त्री. (तद्.) कामुक हो जाने की अवस्था, काम की भावना मन में उत्पन्न होना।

मदनांतक वि. (तत्.) मदन अर्थात् कामदेव का अंत करने वाला महादेव ने अपना तीसरा नेत्र खोलकर, कामदेव का अग्नि-दाह करके उसे अशरीरी बना दिया।

मदनांध वि. (तत्.) काम वासना में अंधा होने वाला, अत्यंत कामातुर, वासना से अभिभूत व्यक्ति, जिसकी बुद्धि काम नहीं करती।

मदनातुर वि. (तत्.) काम भावना से पीड़ित व्यक्ति, कामातुर।

मदनायुध पुं. (तत्.) कामदेव के अस्त्र, कामदेव का धनुष और पाँच बाण।

मदनारा वि. (तत्.) 1. ऐसा पदार्थ, जो काम वासना में उत्तेजना लाए 2. मद उत्पन्न करने वाला, नशीला।

मदनारि पुं. (तत्.) कामदेव का शत्रु, मदन का संहार करने वाला, शिव।

मदनावस्था स्त्री. (तत्.) प्रबल कामवासना की अवस्था, अत्यंत कामातुर होने की अवस्था।

मदनास्त्र पुं. (तत्.) कामदेव का धनुष और पाँच बाण ये मदन के अस्त्र हैं, जगत में वासना उद्दीप्त करने के लिए, कामदेव इन बाणों का उपयोग करते हैं।

मदनी स्त्री. (देश.) मदमस्त करने वाली, पीने वाली वस्तु, मदिरा, शराब।

मदनोत्सव पुं. (तत्.) 1. ऋतुराज वसंत, मदन अर्थात् कामदेव के उत्सव का समय माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस ऋतु में कामदेव धनुष बाण लेकर जगत में विचरण करते हैं। उनके प्रभाव में जन-जीवन मस्ती करने लगता है 2. होली को भी मदनोत्सव कहा जाता है। होली से ही इस उत्सव का प्रारंभ होता है।

मदनोद्यान पुं. (तत्.) आमोद-प्रमोद का उपवन; एक ऐसा उद्यान, जहाँ विभिन्न प्रकार के पुष्प खिले हुए हों।

मदपूर्वकाल पुं. (तद्.) महिलाओं में काम उद्दीपन के पूर्व की अवस्था, इस अवस्था में अंड कोश आदि गुप्त अंग द्रवीभूत हो जाते हैं।

मदभार पुं. (तद्.) बहुत अधिक मद, मदमस्त, मद से परिपूर्ण।

मदमत्त वि. (तत्.) 1. मद से परिपूर्ण 2. नशे में चूर 3. मद बहने के कारण मस्त हाथी।

मदमाता वि. (तत्.) मद के कारण असंयत कार्य करने वाला, मस्ती में होश-हवास खो जाने वाला, मर्यादा में न रहने वाला व्यक्ति।

मदमुकुलित वि. (तत्.) मद-मस्ती के कारण अधखुली आँखों से देखने वाला व्यक्ति, खुमारी से ग्रस्त।